आज का पुरुषार्थ 26 May 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" अपने शक्तियों को जगाये, विश्वास रखते हुए अपने संकल्प शक्ति को अधिक से अधिक पावरफूल बनाते चले "*

संसार में सबसे बड़ी शक्ति है मन की शक्ति, **संकल्पों की शक्ति**। और उसके पीछे है **दृढ़ता**। संकल्प शक्ति तो इतनी जबरदस्त है कि ...

यदि हम **मास्टर सर्वशक्तिमान** का बहुत ज्यादा अभ्यास कर ले और हम **योगयुक्त** होने की लम्बा काल प्रैक्टिस करे और फिर संकल्प करे बिल्कुल दृढ़ संकल्प कि ..." *मेरे सामने जो पहाड़ है वह दस फूट पीछे हट जाये*"

तो वह हट जायेगा लेकिन शर्त यह है कि हमारे मन में ज़रा भी संशय न हो। लेकिन होता क्या है? मनुष्य संकल्प करने से पहले ही संशय में आ जाते है कि ... " *भला पहाड़ क्या हट सकता है कहीं? यह काम कैसे होगा?*"

तो एक ही संकल्प हो। क्योंकि भगवानुवाच है ...

" संसार में बड़े-बड़े लोग अपना कार्य विलपावर के आधार से करते है और तुम्हारे साथ तो है परमात्म विलपावर "

Feel करे इस बात को : " *परमात्म विलपावर हमारे साथ है .. हमारे संकल्पों में वल है परमात्म शक्ति का .. तो हम संकल्प से ही जो चाहे कर सकते है*"

भगवानुवाच है .... " **तुम्हारे मन मे वही संकल्प हो जो तुम करना चाहते हो .. बस वही होगा** "

तो हम अपनी मन की शक्ति पर विश्वास रखें और दृढ़ता पूर्वक आगे चले। चाहे दृढ़ता हो माया की किसी भूत को नष्ट करने की, चाहे विशेष तरह की सेवा करने की। चाहे दृढ़ता हो कोई विशेष धारणा करने की। चाहे दृढ़ता हो योग का चार्ट बढ़ाने की।

हम अपने मन में दृढ़ संकल्प करे ... " **मुझे यह काम करना ही है** "

जैसे पानी, बहुत साधारण होते हुए भी पर्वतों से भी अपना रास्ता बना लेता है। हम देख सकते है कैसे कैसे हिमालय के अंदर से पानी बाहर आता रहता है। जहाँ तहाँ झरने खोदते रहते है। किसी को पता नहीं चलता कहाँ से पानी आ रहा है!

हमारे **दृढ़ संकल्प** मार्ग खुद ही बना लेता है। जरूरत केवल दृढ़ता की है। तो देख ले हमारे मन की शक्ति कमजोर तो नहीं है? कमजोर करते है **व्यर्थ संकल्प** और इनको बढ़ाते है **श्रेष्ठ स्वमान।**

श्रेष्ठ स्वमान से हमारे संकल्प भी महान होते जाते है। तो हम सभी अपने मन की शक्तियों को बढ़ायेंगे और रोज़ एक दो प्रयोग मन की शक्तियों की अवश्य किया करे।

और यही विधि अपनाये ...

" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान .. परमात्म शक्ति मेरे पास है "

और तीसरा संकल्प वह करे जो हम चाहते है ...

बस ऐसे दो-चार प्रयोग रोज़ करे और धीरे-धीरे एक-दो में सफलता मिलती जायेगी। और हमें अपनी संकल्प शक्ति पर सम्पूर्ण विश्वास होता जायेगा।

सवेरे उठकर भी हम स्वयं को **श्रेष्ठ संकल्पों से चार्ज करना** न भूलें। सवेरे उठते ही हमारा जो पहला संकल्प होता है वह तो हमारे भाग्य का निर्माता होता है।

और सच तो यह है कि 10 मिनट हमारा sub-conscious mind जगा रहता है। उस समय सच्चे मन से खुशी पूर्वक किये हुए संकल्प हमें सबसे ज्यादा लाभ देता है।

ऐसा कहे की हमारे जीवन का निर्माण ही वे करते है। तो उठते ही बाबा को good morning करने के पश्चात संकल्प करे ....

" ***मेरे जैसा भाग्यवान कोई नहीं .. मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. बहुत सुखी हूँ .. मास्टर दुःख हर्ता हूँ .. बहुत धनवान हूँ***"

बहुत नशे के साथ इसतरह के संकल्प बार-बार करते रहे तो वैसा ही होने लगेगा। तो आज सारा दिन अभ्यास करेंगे ...

" मैं माइट हाउस फ़रिश्ता हूँ .. चलता-फिरता शक्तियों का फ़रिश्ता .. मेरे मस्तक से अंग अंग से शक्तियों की रंग-बिरंगी किरणें चारों ओर फैल रही है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org